पाठ से :

1. गुड्डी अपनी तुलना, बंधुआ मजदूर से क्यों करती है ?

उत्तर—गुड्डी को घर में सारा दिन कुछ न कुछ काम करते रहना पड़ता है। इस कारण उसे स्कूल भी जाने का अवसर नहीं मिलता। इसी कारण गुड्डी अपनी तुलना एक बंधुआ मजदूर से करती है।

2. माँ-बाप के लिए चाय बनाकर लाते समय उसके पैरों में फुर्ती आ गयी-क्यों ?

उत्तर—यह सोच कि बिना डाक टिकट लगा लिफाफा देखकर प्रधानमंत्री उसकी हालत का अनुमान लगा लेंगे और फिर उसे घर में बंधुआ मजदूरी करने से मुक्ति दिला देंगे। यह सोचकर माँ-बाप के लिए चाय बनाकर लाते समय गुड्डी के पैरों में फुर्ती आ गयी।

3. (i) "लेकिन क्यों नहीं सुनी जाएगी मेरी बात। हिज्जे गलत हों, पर बात से सही हैं।"

(क) ऐसा गुड्डी ने क्यों सोचा ?

(ख) यह वाक्य गुड्डी के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को दर्शाता है ?

उत्तर—(i) (क) ऐसा गुड्डी ने इसलिए सोचा की उसकी चिट्ठी में उसका दर्द ज्यादा प्रकट होगा तो हिज्जे की गलती छिप जायगी चूँकि उसने तो लिखा ही है कि वह एक महीने ही स्कूल जा पायी तो फिर वह सही हिज्जे कैसे लिख सकती थी। यही तो दर्द था उसका कि वह स्कूल नहीं जा पाती, घर में बंधुआ मजदूरों का-सा दिन भर काम करते रहती है।

(ख) यह वाक्य गुड्डी के आत्मविश्वास की विशेषता को दर्शाता है।

(ii) "टिकट कहाँ से लाऊँ ? बिना टिकट के ही भेज देती हूँ। वे तो समझ ही जाएँगें।"

(क) गुड्डी ने ऐसा क्यों सोचा?

(ख) यह वाक्य गुड्डी के किस पक्ष को दर्शाता है ?

उत्तर—(ii) (ख) गुड्डी ने ऐसा इसलिए सोचा कि प्रधानमंत्री ज्यादा समझदार हैं। वे समझ जायेंगे कि उस बच्ची ने यह पत्र अपने माँ-पिता से छुपाकर भेजा है।

(ख) यह वाक्य गुड्डी के दुरदर्शिता को दर्शाता है।

4. पठित पाठ के आधार पर आपके मस्तिष्क में जो दृश्य उत्पन्न होता है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर—पठित पाठ के आधार पर मेरे मस्तिष्क में जो दृश्य उत्पन्न होता है वह है एक हैरान-परेशान बारह साल की बच्ची का। वह सारा दिन अपने घर में कभी यह काम तो कभी वह काम करते रहती है। थोड़ी बहुत भी काम में गलती होने पर उसे अक्सर डाँट सुननी पड़ती है और उसे रह-रह रूँआसा होना पड़ती है। चुपके-चुपके वह अपने आँसू बहाकर दुःख में डूब जाती है और ईश्वर से अपनी स्थिति सुधारने की प्रार्थना करती है।